MGP

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2023–2024 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्षिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पष्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विषेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवष्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2023 सत्र के लिए	31 मार्च 2024	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2024 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2024	

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देषों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:
   यह सुनिष्चित कर लें कि आपका उत्तरः
   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका युग (एम जी पी–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी के दक्षिण अफ्रीका में पहुँचने के समय वहाँ रह रहे भारतीयों की दशा की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

2. हेनरी डेविड थोरियू के प्रमुख विचार क्या हैं और उन्होंने गाँधी को कैसे प्रभावित किया ?

3. क्या गाँधी दलित वर्गों के पृथक्करण का प्रतिरोध करने में सफल रहे ? विश्लेषण कीजिए।

4. गाँधी में उत्तम गुणों के विकास में उनके माता–पिता, परिवार और आस–पड़ोस की भूमिका का संक्षेप में वर्णन कीजिए ?

5. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में भगतसिंह के योगदान का आकलन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) पूना पैक्ट के प्रति प्रक्रियाएँ
   ख) दलित वर्गो का प्रतिनिधित्व

7. क) अहमदाबाद कपड़ा मिल श्रमिक सत्याग्रह (फरवरी–मार्च,1918)
   ख) असहयोग आंदोलन की पृष्ठभूमि

8. क) ग्रामीण स्वच्छता
   ख) महिलाओं का उत्थान

9. क) मुस्लिम लीग और जिन्ना
   ख) गाँधी के सकारात्मक योगदान पर डांगे के विचार

10. क) गाँधी–इर्विन समझौता
    ख) गाँधी और विभाजन

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम जी पी–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. 'सविनय अवज्ञा' के संदर्भ में थोरयू के कथनों की विवेचना कीजिए।

2. किस तरह से गाँधी ने हिन्दू परम्परा और उसके धर्म को पुनः परिभाषित किया ?

3. राष्ट्र, राज्य और आधुनिक औद्योगिकीकरण की पाश्चात्य अवधारणाओं पर गाँधी के विचारों की विवेचना कीजिए।

4. 'सत्य ईश्वर हैं' गांधी के इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. स्वदेशी के सिद्धान्तों की और समकालीन समय में उसकी प्रासंगिकता पर परिचर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) आंतरिक शुद्धिकरण पर गाँधी के विचार
   ख) सत्य और मुक्ति

7. क) सर्वभौमिक धर्म–अनेकता मे एकता
   ख) स्वदेशी आंदोलन और खादी

8. क) बारदौली सत्याग्रह
   ख) सर्वोदय का पारिस्थितिकीय आयाम

9. क) गाँधी और अनेकान्तवाद
   ख) रस्किन और गाँधी के आर्थिक विचार

10. क) हिन्दू धर्म पर गाँधी के विचार
    ख) सत्याग्रह और अहिंसा

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम जी पी–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आधुनिकता एवं उत्तर–आधुनिकता से आप क्या समझते हैं ?

2. गाँधी के अनुसार ''महिलाएँ मूल्यों और संस्कृति की संरक्षक हैं'' अपने तर्क प्रस्तुत करे।

3. 'बच्चे सत्य और अहिंसा के सच्चे साधक हैं' इस संदर्भ में गाँधी के विचारों का वर्णन कीजिए।

4. पूर्ण सत्य और सापेक्षिक सत्य में क्या अंतर हैं ?

5. गाँधी के दृष्टिकोण के अनुसार 'कल्याण' शब्द का अर्थ बताएँ।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गाँधी की धर्म की संकल्पना
   ख) बाल विवाह पर गाँधी के विचार

7. क) औद्योगिक संबंधों के बारे मे गाँधी के विचार
   ख) नई तालीम (नई शिक्षा) पर गाँधी के विचार

8. क) पर्यावरणीय संकट
   ख) ग्रामीण बनाम शहरी जीवन

9. क) बौद्ध धर्म पर गाँधी के विचार
   ख) जाति व्यवस्था के गुण और दोष

10. क) महिलाओं तथा भारत के भविष के बारे में गाँधी के विचार
    ख) नैतिक और आध्यात्मिक विकास पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से आप क्या समझते हैं? सामाजिक–आर्थिक जीवन पर इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

2. समाजवाद में सामाजिक परिवर्तन तथा सत्ता के पुनर्वितरण की अवधारणाओं का आकलन कीजिए।

3. लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था में बहुलवाद और सहनशीलता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. इक्कीसवीं सदी में गाँधीवादी सत्याग्रह की प्रासंगिकता, प्रभावित और संभाविता की चर्चा कीजिए।

5. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष हिंसा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गाँधी की व्यक्तिगत स्वायत्तता की अवधारणा
   ख) परमाणु युग में सत्याग्रह की आवश्यकता

7. क) गाँधी की शाक्ति की अवधारणा
   ख) गाँधी की विचारधारा में रचनात्मक कार्यक्रम की भूमिका

8. क) संरचनात्मक हिंसा
   ख) न्याय की अवधारणा

9. क) फ़ासीवाद पर गाँधी के विचार
   ख) नस्लीय और जाति की समानता पर गाँधी के विचार

10. क) संघर्ष और इसके समाधान
    ख) राज्य, दायित्व और सविनय अवज्ञा

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम जी पी–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. 'शांति कल्याण और न्याय के लिए जरूरी हैं' इस कथन के औचित्य को सिद्ध करने के लिए तर्क दीजिए।

2. भारत के संविधान मे मौजूद न्याय के सि़द्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. क्या आप मानते हैं कि असमानता और शोषण संरचनागत समस्याएँ हैं?

4. शांति शिक्षा से आप क्या समझते हैं? इसके अर्थ एवं महत्व का विश्लेषण कीजिए।

5. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में संघर्ष समाधान का कौन–सा दृष्टिकोण आपको संतोषजनक लगता हैं और क्यों?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) पर्यावरणीय क्षाति और मानव विकास
   ख) यूनेस्को एवं शांति शिक्षा

7. क) समानता और संस्कृति
   ख) न्याय के सिद्धांत

8. क) लोक अदालत
   ख) शांति और लोकतंत्र के बीच संबंध

9. क) शांति और आक्रामकता
   ख) वियातनाम विरोधी युद्ध आंदोलनः 1962–1975

10. क) मानव विकास और गराबी उन्मूलन
    ख) शांति की अवधारणा के दोहरे पहलू

पाठ्यक्रमः गाँधी के आर्थिक विचार (एम जी पी ई–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. रोटी के लिए श्रम (ब्रेड लेबर) सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। समाज में असमानता और शोषण की समस्या का यह किस प्रकार समाधान करता हैं?

2. दक्षिण अफ्रिका में गाँधी ने किस प्रकार अपने सत्याग्रह आंदोलन को स्वरूप प्रदान किया?

3. स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की गाँधीवादी अवधारणाओं पर विचार–विमर्श कीजिए।

4. भारत में वर्तमान औद्योगिक विकास के ढाँचे का विश्लेषण कीजिए और आज के संदर्भ में गाँधी के आदर्श का परीक्षण कीजिए।

5. सतत् अर्थव्यवस्था क्या हैं? सामाजिक न्याय के लिए इसका क्या महत्व हैं?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) स्वावलंबनः एक नैतिक बाध्यता
   ख) मशीन के बारे में गाँधी की अवधारणा

7. क) विकेन्द्रीकरण के लाभ
   ख) न्यासिमता का सिद्धांत (Trusteeship)

8. क) सामाजिक न्याय–इसकी आवश्यकता
   ख) गाँधीवादी अर्थशास्त्र के सिद्धांत

9. क) सहकारिता के मूल तत्व
   ख) ग्रामीण आद्यौगिकीकरण

10. क) स्वदेशी, सर्वोदया और सृजनात्मक कार्यक्रम
    ख) शारीरिक श्रम

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–2024
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक क्रांति से आप क्या समझते हैं और इस क्रांति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जवाहरलाल नेहरू ने क्या प्रक्रिया अपनाई?

2. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलनों के परिणामों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. ''अहिंसक आंदोलन सामाजिक–आर्थिक और पारिस्थितिकी न्याय सुनिश्चित करते हैं।'' अपने शब्दों में इस कथन का औचित्य बताए।

4. चिपको आंदोलन एक इको–नारी अधिकारवादी आंदोलन हैं। क्या आप इस कथन से सहमत है? कारण बताइए।

5. सन् 1960 के दशक में अश्वेत नागरिक अधिकार आंदोलनों के बारे में संक्षिप्त विवरण लिखिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) जलः मौलिक अधिकार
   ख) महिलाएँ और नागरिक अधिकार आंदोलन

7. क) 'संपूर्ण क्रांति'
   ख) भूदान आंदोलन

8. क) टिहरी बचाओं आंदोलन
   ख) ताप–परमाणु प्रदूषण

9. क) शराब कराधान पर गाँधी के विचार
   ख) सन् 1948 से पहले रंगभेद कानून

10. क) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद किसान आंदोलन
    ख) परमाणु विरोधी अभियान

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. ''सामुदायिक शांति के लिए अहिंसा और क्षमाशीलता अनिवार्य हैं''। क्या आप गाँधीवादी विचारधारा से सहमत हैं?

2. गाँधावादी विचार और अभ्यास में मौलिक संकल्पनाओं की व्याख्या कीजिए।

3. शांति सेना के विचार की तथा संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।

4. एक सहिष्णु समाज के निर्माण में सहिष्णुता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

5. सकारात्मक शांति की संकल्पना की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) शांति प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी
   ख) श्रीलंका की नस्लीय लड़ाई में भारत की भूमिका

7. क) समकालीन विश्व में वार्ता और समझौते की सार्थकता
   ख) म्यांमार की राजनीति में सेना की भूमिका

8. क) मध्यस्थता की संकल्पना
   ख) उपवास के बारे में गाँधी के विचार और आज के युग में इसकी सार्थकता

9. क) सशस्त्र दौड़ तथा भौतिकवाद
   ख) सामुदायिक शांति के प्रति गाँधी का दृष्टिकोण

10. क) अस्पृश्यताः समरसतापूर्ण समाज में एक बाध
    ख) गाँधी की शांति का दोहरा सिद्धांतः सत्य और अहिंसा

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम जी पी ई–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राजनीतिक भूमण्डलीकरण के अर्थ और सार तत्व पर चर्चा कीजिए। इसके कुप्रभावों की समीक्षा कीजिए।

2. सांस्कृतिक विविधता की विशिष्टताएँ क्या हैं? क्या भारत इस रास्ते पर सफलतापूर्वक चलने में सक्षम रहा हैं?

3. महिलाओं के सशक्तिकरण में गाँधी के योगदान की व्याख्या कीजिए।

4. आतंकवाद और नक्सलवाद से जुड़ी समस्याओं को हल करने में गाँधीवादी पद्धति का क्या योगदान हैं? स्पष्ट कीजिए।

5. गाँधी के सामाजिक समावेशन की पद्धति की विवेचना कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) विविधता में एकता : भारत का दृष्टिकोण
   ख) आधुनिक यंत्रों पर गाँधी के विचार

7. क) लिंग–आधारित भेदभाव पर गाँधी के विचार
   ख) मानव अधिकार के सांस्कृतिक और धार्मिक स्रोत

8. क) समकालिन विश्व में मीडिया
   ख) ग्राम स्वराज के मूल सिद्धांत

9. क) भारत पर गाँधी के धर्मनिरपेक्षतावाद का प्रभाव
   ख) सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आयाम

10. क) विश्व व्यवस्था और गाँधी
    ख) ग्राम पुर्ननिर्माण

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. संघर्ष के बाद के पुर्ननिर्माण और पुर्नवास में राज्य की क्या भूमिका हैं?

2. आधुनिक सभ्यता का गाँदीवादी विकल्प क्या हैं? इसके प्रमुख घटकों की चर्चा कीजिए।

3. ''चम्पारण सत्याग्रह'' अभियान के आरंभ होने के पीछे क्या कारण थे? गाँधी ने उसके प्रमुख मुद्दों को किस प्रकार सुलझाया था?

4. संघर्ष पीड़ित समाजों के सशक्तीकरण में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

5. संघर्ष विश्लेषण की विभिन्न पद्धतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) विश्व बैंक की भूमिका और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय निधि
   ख) संयुक्त राष्ट्र और संघर्ष प्रबधंन

7. क) संघर्ष परिवर्तन
   ख) आधुनिक विश्व में भारत का स्थान

8. क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी का शैक्षिक प्रयोग
   ख) संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम

9. क) शांति बनाम न्याय दृष्टिकोण
   ख) सर्वोदय और अंत्योदय

10. क) अफ़गान पुर्ननिर्माण में भारत की भूमिका
    ख) भारत और उसके निकटवर्ती क्षेत्रों के लिए अफ़गानिस्तान का महत्व

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. विश्व स्तर पर मानव अधिकारों के प्रयोग की चर्चा कीजिए।

2. मानव सुरक्षा की परम्परागत और गाँधीवादी विचारधारा में क्या अंतर हैं?

3. पर्यावरण, खाद्य और आर्थिक सुरक्षा के बारे में बाह्य हस्तक्षेंपों का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव क्या हैं?

4. भारत में महिलाओं का सीमांतीकरण को स्पष्ट कीजिए। वे किस प्रकार से सशक्त हो सकती हैं?

5. आतंकवाद सरकारी विश्वसनीयता, वैधता को कम कैसे आँकती हैं और समाज के सामाजिक तानेबाने को अस्थिर कैसे करती हैं?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संरचनात्मक हिंसा के रूप में गरीबी
   ख) खाद्य सुरक्षा और इसका महत्व

7. क) बंधुआ मजदूरी का उन्मूलन
   ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोगः मुद्दे और चुनौतियाँ

8. क) सार्वभौमिक स्तर पर मानव सुरक्षा
   ख) सन् 1993 वियना घोषणा और कार्य योजना

9. क) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम
   ख) विकास और भूमंडलीय तापन (ग्लोबल वार्मिंग)

10. क) मानव तस्करी, लिंग और पर्यावरण संबंधी मुद्दे
    ख) शहरी असंगठित श्रमिक वर्ग की समस्याएँ

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम जी पी ई–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. लिंग–आधारित हिंसा का अर्थ बताइए और इस प्रकार की हिंसा के मूल कारणों को स्पष्ट कीजिए।

2. आप इको–महिलावाद (eco-feminism) से क्या समझते हैं? इससे जुड़े विभिन्न पक्षों की समीक्षा कीजिए।

3. महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों का विवेचन कीजिए।

4. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा दीजिए। इस अपराध को रोकने के क्या उपाय हैं?

5. क्या आप समझते हैं कि नृजातीय हिंसा (Ethnic violence) महिलाओं को प्रभावित करती हैं? उदाहरण सहित समक्षाइए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) शांति निर्मात्री (Peace makers) के रूप में महिलाएँ
   ख) लिंग–आधारित हिंसा

7. क) उपनिवेशवाद और नव–उपनिवेशवाद
   ख) बाल मज़दूरी के विरूद्ध अभियान

8. क) महात्मा गाँधी और आर्थिक विकास
   ख) सत्ता और नियंत्रण चक्र

9. क) परमाणु निरस्त्रीकरण
   ख) विकास का निर्भरता सिद्धांत

10. क) लैंगिंक असमानता (Gender Inequality)
    ख) दहेज़ विरोधी आन्दोलन

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. ग्राम्स्की की नागरिक समाज की संकल्पना का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. गाँधी के लिए स्वराज स्वप्रतिष्ठा और स्वशासन हैं। स्पष्ट कीजिए।

3. पंचायती राज संस्थाओं के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों की समीक्षा कीजिए।

4. स्वैच्छिक कार्य संघटन के लिए सामाजिक आन्दोलन की भूमिका की चर्चा कीजिए।

5. किस प्रकार से ग्रामीण बैंक गरीबी और भूख उन्मूलन की दिशा में कार्य कर रहे हैं? इसको संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) नागरिक समाज की उत्पति और धारणा
   ख) आंतकवाद के ख़िलाफ युद्ध और राजनीतिक शासन

7. क) एशिया में नागरिक समाज की प्रासंगिकता
   ख) गाँदीवादी नागरिक समाजः वैश्विक शांति का ज़वाब

8. क) शांति आन्दोलनों की उत्पति और विकास की खोज़ कीजिए।
   ख) परमाणु विरोधी आन्दोलन

9. क) मानव अधिकारों का सार्वभौमिक घोषणापत्र (UDHR)
   ख) अमरीकी चार्टर और संयुक्त राष्ट्र

10. क) राज्य और नागरिक समाज में बीच परस्पर सबंध
    ख) प्रतिरोध और विरोध की अवधारणाएँ

पाठ्यक्रमः गाँधीः पारिस्थितिकी और सतत् विकास (एम जी पी ई–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. महात्मा गाँधी को क्यों एक महान पारिस्थितिकी विद्वान कहा जाता हैं?

2. ग्राम–स्वराज पर गाँधी के विचारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. ''विकास और नैतिकताएँ अविभाजनीय हैं'' टिप्पणी कीजिए।

4. विकास के संस्थागत आयामों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

5. वर्तमान संदर्भ में गाँधी की जीवन शैली और आजीविका की सार्थकता की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) रचनात्मक कार्यक्रम–खादी और ग्राम उद्योग
   ख) सर्वोदयः अर्थ और उत्पति

7. क) गाँधी के आदर्श गाँव की अवधारणा
   ख) भारत में पर्यावरणीय शिक्षा

8. क) मानव जाति की गाँधीवादी संकल्पना
   ख) गाँवों की आत्मनिर्भरता

9. क) समानता और न्यासिता (Trusteeship)
   ख) सेवा के माध्यम से आत्मबोध

10. क) औद्योगिक विकास के पारिस्थितिकी प्रभाव
    ख) पर्यावरण और संरक्षण पर प्राचीन भारतीय विचारधारा

पाठ्यक्रमः शोध पद्धतियों का परिचय(एम जी पी ई–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–023/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक समस्याओं को समझने के लिए गाँधीवादी पद्धति की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

2. मौलिक तथा प्रायोगिक अनुसंधान में क्या अंतर हैं?

3. वे कौन–से स्तर हैं जिनके आधार पर शांति का विश्लेषण किया जा सकता हैं। उन्हे सविस्तार पूर्वक बताए।

4. वर्णनीय से सम्बधित सैद्धान्तिक आधारों का अन्वेषण कीजिए।

5. शोध प्रस्तुतीकरण की उन पद्धतियों का विश्लेषण कीजिए जो कम्प्यूटरों के आगमन से पहले और बाद में प्रयोग में लाई जाती थी?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) अनुसंधान रचना में सिद्धांत की भूमिका
   ख) समाजिक समस्याओं पर गाँधी का दृष्टिकोण

7. क) निर्धनता और बेरोज़गारी
   ख) मानवजाति शास्त्र की विशेषताएँ

8. क) एक सामाजिक वैज्ञानिक के रूप गाँधी
   ख) विश्लेषण का अर्थ तथा प्रयोजन

9. क) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के प्रेरित कारक
   ख) क्षेत्रीय अन्वेषण अनुसंधान

10. क) संघर्ष मानचित्र के मूल तत्व
    ख) आँकड़ा संकलन और आँकड़ा विश्लेषण की व्यवहार्यताएँ

पाठ्यक्रमः मानव अधिकारः भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम जी पी ई–016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानवाधिकारों की अवधारणा के सैद्धान्तिक/दार्शनिक आधार क्या हैं?

2. क्या आप सहमत हैं कि गाँधी भारत में मानव अधिकारों के अग्रिम योद्धा थे?

3. मानव अधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा के प्रावधानों एवं उसके महत्व की विवेचना कीजिए।

4. ''अधिकार और कर्त्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं''। व्याख्या कीजिए।

5. भारत के संविधान में समानता के अधिकार को किस प्रकार प्रदान किया गया है?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानव अधिकारों के प्रसार में नागरिक समाज की भूमिका
   ख) महिला अधिकारों का उल्लंघन और उनके विरूद्ध हिंसा

7. क) उदारवादी नारीवाद
   ख) संस्कृति और भाषाओं के संरक्षण के अधिकार

8. क) गैर सरकारी संगठन एवं मानव अधिकार
   ख) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ और मानव अधिकारों का हनन

9. क) भारत में बाल अधिकारों की प्रगति
   ख) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के कार्य एंव उत्तरदायित्व

10. क) स्वराज की अवधारणा और सत्याग्रह का सिद्धांत
    ख) अल्पसंख्यकों के अधिकार